Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-I (H)
Paper-II
Date:- 31-07-2020

GROUPS

Function of group

समूह के कार्य

समूह अपने सदस्यों के लिए अनेकों कार्य करता है। विभिन्न तरह के समूह अपने सदस्यों के लिए भिन्न-भिन्न तरह के कार्य करता है। इन समूह के कुछ सामान्य कार्यों का वर्णन निम्नांकित है।

(1) आवश्यकताओं का विभेदिय संतुष्टि (Differential satisfaction of wants):- अपने सदस्यों की संतुष्टि आवश्यकताओं की संतुष्टि करना समूह का एक प्रमुख कार्य है। किसी भी समूह में दो प्रकार के सदस्य होते हैं। (1) प्रभावी एवं महत्वपूर्ण सदस्य (Dominant and important member) (2) तथा अप्रभावी एवं साधारण सदस्य (Nondominant and rank-and-file member)। प्रभावी सदस्य ऊँची कोटि के होते हैं तथा सभी महत्वपूर्ण निर्णय इन्हीं लोगों द्वारा किया जाता है। जैसे की विश्वविद्यालय के कुलपति (vice-chancellor) एवं रजिस्ट्रार प्रभावी सदस्य होता है। अप्रभावी सदस्य साधारण होते हैं जो प्रभावी सदस्यों के कार्यों मे मदद करता है। समूह प्रभावी सदस्यों की सभी महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की तथा साधारण सदस्य की जरूरी आवश्यकताओं जैसे- भोजन, कपड़ा, मकान, आदि की पूर्ति करने की कोशिश करता है। इस तरह समूह अपने सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति समान रूप से न करके

विभेदित कारक करता है।

(2) अधिपत्य तथा तदीयत्व आवश्यकताओं की संतुष्टि (Satisfaction of dominance and belongingness needs):- समूह में सदस्यों की अधिपत्य एवं तदीयत्व की आवश्यकता की संतुष्टि होती है। अधिपत्य आवश्यकता से तात्पर्य वैसी आवश्यकताओं से होता है जिसके सहारे व्यक्ति दूसरों पर अपना प्रभुत्व अधिकार दिखलाता है। तदीयत्व आवश्यकता से तात्पर्य उन आवश्यकताओं से होता है जिससे व्यक्ति में समूह का एक महत्वपूर्ण सदस्य होने की भावना तीव्र होती है। जब व्यक्ति किसी समूह का सदस्य होता है तो उसकी आवश्यकताओं (Economic needs) की ही सिर्फ संतुष्टि ही नहीं होती है, बल्कि तदीयत्व आवश्यकता (belongingness need) तथा अधिपत्य आवश्यकता (dominance need) की भी संतुष्टि होता है। क्रेच तथा क्रचफिल्ड (Kretch & Crutchfield, 1949) के अनुसार "सभी समूह अपने कुछ सदस्यों की अधिपत्य आवश्यकताओं एवं बाकी सदस्य की पूर्ति करता है और अधिकतर सदस्यों की तदीयत्व आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।"

मेयर्स (Myers, 1987) तथा फेल्डमैन (Feldman) 1985 के अनुसार समूह कुछ सदस्यों की अधिपत्य आवश्यकताओं को पूरा करके अन्य सदस्यों को भी अधिपत्य आवश्यकता तीव्र करने की प्रेरणा देता है।

समूह तदीयत्व आवश्यकता (belongingness need) की संतुष्टि कर सदस्यों में हमलोगों की भावना को प्रेरित करता है। (बैरोन & बायर्न) Baron & Byrne, 1977) के अनुसार इस आवश्यकताओं की पूर्ति होने से समूह का कार्यक्षेत्र (Score) एवं आकार (Size) में तेजी से वृद्धि होती है तथा सदस्यों की प्रतिष्ठा एवं सम्मान ऊँचा हो जाता है। शेष next class